

संक्षिप्त समाचार

ईरान में फूट डालना चाहता है अमेरिका

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने टॉप को दी खुली चेतावनी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा है कि हार के बाद दुश्मन फूट डालने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान 'आजाद' देशों के लिए गर्व का स्रोत बन गया है। ईरान की सरकारी तस्वीर न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने



यह टिप्पणी अयातुल्ला रूहोल्ला खोमेनी की पुण्यतिथि की 37वीं वर्षगांठ पर टेलीविजन पर पढ़े गए एक संदेश में की। ईरान के सुप्रीम लीडर का कहना है कि तेहरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने संबोधन में कहा है कि ईरान का दुश्मन हार का सामना करने के बाद ईरानी लोगों के लचीलेपन को नुकसान पहुंचाने और आंतरिक फूट डालने की कोशिश कर रहा है। इसके अलावा उन्होंने दुश्मन की युद्ध के मैदान में हार के बाद फूट के प्रति आगाह किया।

बंगाल में ममता के सामने अब पहचान का संकट!

● सबसे मुश्किल दौर में पार्टी, बागी गुट ने किया खेल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में टीएमसी विधायक दल में टूट के बाद भी राजनीतिक उठापटक बाकी है। टीएमसी के बागी 60 विधायकों को विधानसभा में विपक्षी दल की मान्यता मिल गई है। विधानसभा अध्यक्ष रतींद्रनाथ बोस ने ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा देते हुए ऑफिस की चाबी भी दे दी। टीएमसी पार्टी की ओर से नियुक्त शोभनदेव भट्टाचार्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के ऑफिस के लिए धरना दे रहे थे। पार्टी में टूट के बाद मायूसी



ही उनके हाथ लगी। अब असली तूफान और नकली टीएमसी की लड़ाई शुरू होगी, जिस पर आखिरी फैसला विधानसभा अध्यक्ष को ही करना है। बंगाल में महाराष्ट्र पार्टी-2 दोहराया जा रहा है- बंगाल विधानसभा में टीएमसी में टूट के बाद ममता बनर्जी और पार्टी का भविष्य स्पीकर रतींद्रनाथ बोस के फैसलों पर टिक गया है। संजय राउत समेत कई विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में महाराष्ट्र के ऑपरेशन लोटस को दोहराया जा रहा है।

टीसीएस के बाद अब विप्रे में धर्मांतरण का आरोप

● पीड़िता बोली-कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया

पुणे (एजेंसी)। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिजब पहन



ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिजबडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा- अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया। ऑफिस में इस्लाम अपनाने का दबाव दिया जाता था- पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि एक महिला सहकर्मी उस पर इस्लाम अपनाने और मुस्लिम से संबंध बनाने का दबाव डालती थी।



देश में झूमकर आया 'मॉनसून'

● केरल से एट्री, तीन दिन लेट, सात दिन जमकर बारिश का अनुमान ● एमपी और राजस्थान समेत 24 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिसका लोग लंबे समय से बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, आखिरकार वह समय आ ही गया। भारत में केरल के जरिए मॉनसून की एट्री हो गई है। इसकी वजह से अगले सात दिनों तक केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, उत्तर पूर्वी भारत में अगले पांच से छह दिनों तक भारी से बहुत भारी बरसात का अलर्ट है। इसके अलावा, उत्तर पश्चिम भारत, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों और दक्षिण भारत में अगले दो से तीन दिनों के दौरान तेज आंधी के साथ तूफान आएगा। मौसम विभाग ने मॉनसून आने की खुशखबरी देते हुए कहा, दक्षिण पश्चिम मॉनसून चार जून को केरल से देश में प्रवेश कर चुका है।



दक्षिण भारत के राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी- मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण भारत के राज्यों में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से भारी बारिश होगी।

पूर्वी भारत में तेज हवाएं चलने का अनुमान- मौसम विभाग के अनुसार, 6-7 जून के दौरान असम, मेघालय में हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ तूफान, मध्यम बिजली गिरने और तेज हवाओं के चलने का अनुमान है। पांच से सात जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में भी यही संभावना है। चार से पांच जून के दौरान असम, मेघालय में भी तेज हवाएं चलने वाली हैं। 5-10 जून को अरुणाचल प्रदेश, 4-5 जून और 10 जून को असम, मेघालय में, 5-10 जून के दौरान नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होगी। चार जून को और छह से नौ जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, छह से नौ जून के दौरान असम, मेघालय में अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी बारिश होगी।

दिल्ली, यूपी समेत उत्तर भारत में बदलेगा मौसम

वहीं, उत्तर भारत की बात करें तो चार से छह जून के दौरान जम्मू कश्मीर, लद्दाख में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने वाली है। 5 से छह जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 5 से छह जून के दौरान 40-50 किमी प्रति घंटे की स्पीड से तेज हवाएं चलेंगी। 16 जून



को हिमाचल प्रदेश में भी तेज हवा चलने का अलर्ट है। चार से छह जून के दौरान पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब, पश्चिमी यूपी में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। चार जून को पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यही हाल रहने वाला है। पश्चिमी राजस्थान में 5 जून को तेज आंधी आएगी।

रूस ने बढ़ा दी भारत की और ताकत

● अमेघ हुआ 'सुदर्शन चक्र' आ गई एस-400 की चौथी खेप



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की हवाई रक्षा ताकत और भी अभेद्य हो गई है। रूस से भारत को अत्याधुनिक एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की चौथी स्क्वाड्रन मिल गई है। इस सिस्टम को भारत में 'सुदर्शन चक्र' कहा जाता है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते इस सिस्टम की खिलौवरी में कुछ देरी हुई थी, लेकिन अब समुद्री रास्ते से यह भारत आ चुका है और जल्द ही इसे एक अहम ऑपरेशनल इलाके में तैनात कर दिया जाएगा।

पांचवीं और आखिरी स्क्वाड्रन का भी है इंतजार- भारत ने अपनी पश्चिमी और उत्तरी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए साल 2018 में रूस के साथ पांच एस-400 रेजिमेंटल सिस्टम के लिए सौदा किया था। इसकी पहली तीन स्क्वाड्रन भारत को पहले ही मिल चुकी हैं। अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन युद्ध के कारण जो रूकावटें आई थीं, वे अब दूर हो गई हैं और खिलौवरी फिर से तय समय पर होने लगी है। उम्मीद है कि पांचवीं और आखिरी स्क्वाड्रन भी आने वाले कुछ महीनों में भारत पहुंच जाएगी। इसके साथ ही, भारत अपने बेड़े का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त एस-400 खरीदने की योजना पर भी विचार-विमर्श कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर और रि कॉर्ड-रेंज किल

एस-400 सुदर्शन की अहमियत ऑपरेशन सिंदूर से समझी जा सकती है। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, इस ऑपरेशन में एस-400 ने पाकिस्तानी वायुसेना के खिलाफ एक अहम रोल निभाया था। इस डिफेंस सिस्टम ने 300 किलोमीटर से अधिक की दूरी से पाकिस्तान के एक कीमती सर्विलांस एयरक्राफ्ट को मार गिराया था। अधिकारियों ने इसे एक रि कॉर्ड-रेंज किल करार दिया था। भारत एक बेहद मजबूत मल्टी-लेयर (बहुस्तरीय) रक्षा कवच तैयार कर रहा है, जिसे सुदर्शन चक्र नाम दिया गया है। इसके तहत अलग-अलग तरह के हथियारों को एक यूनिफाइड नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है। इसमें लंबी दूरी तक मार करने वाला एस-400, मीडियम रेंज का बराक-8 और डीआरडीओ का प्रोजेक्ट कुशा शामिल है। इन सभी के एक साथ जुड़ने से भारत को फायदा होगा।

होटल मालिक 4 दिन की पुलिस रिमांड पर

● दिल्ली आग ● जलती इमारत के पास से गुजरा था, किसी को बचाया नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिडा होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था। वहीं, बजाज ने पूछताछ में चौकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, आग लगने के दौरान बजाज अपनी कार से जलती हुई इमारत के पास से गुजरा, लेकिन लोगों की मदद करने के बजाय वहां से निकल गया। उसने बताया कि वह डर के कारण मौके से भाग गया था। उसने यह भी स्वीकार किया कि उसने न तो किसी की मदद की और न ही घर गया। इसके बजाय वह शहर में इधर-उधर घूमता रहा। बुधवार को लगी इस



भीषण आग ने पांच मंजिला इमारत को अपनी चपेट में ले लिया था, जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई। घटना के कुछ घंटों बाद पुलिस ने बजाज को हिरासत में लिया था।

होटल मालिक बोला

मैं नहीं दूसरे लोग संभालते थे काम

गिरपतार होटल मालिक लवकेश बजाज ने बताया कि वह खुद होटल की निगरानी नहीं करता था। उसने होटल के मैनेजमेंट, बिलिंग और अकाउंट्स का काम किसी और व्यक्ति को दिया था। उसने यह भी कहा कि होटल में कमरे बड़े करने और अन्य बदलावों की सलाह भी किसी अन्य व्यक्ति ने दी थी।

टीएमसी में बगावत, कांग्रेस-डीएमके की दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी कुछ ही समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि एक एकजुट विपक्ष केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी विधायी एजेंडे और उसके राजनीतिक नैटिव को पटरी से उतार सकता है। पिछले सत्र में लोकसभा के भीतर महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े सरकारी विधेयक को हार ने विपक्ष के इस हौसले को और मजबूत किया था। लेकिन अब संसद के भीतर और बाहर भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए आगे की राह बेहद आसान नजर आ रही है। इसकी मुख्य वजह यह है कि भाजपा के दो सबसे मजबूत क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी तृणमूल कांग्रेस और द्रमुक (डीएमके) इस समय बड़े राजनीतिक संकटों और चुनौतियों से जूझ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री



ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी इस समय अपने राजनीतिक इतिहास के सबसे बड़े अस्तित्व के संकट का सामना कर रही है। पार्टी के कुल 80 विधायकों में से 58 बागी विधायकों के एक गुट ने ममता बनर्जी की पसंद के विपरीत ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता चुन लिया है। साल 1998 में ममता बनर्जी द्वारा पार्टी

के पार्टी में बढ़ते दबदबे के खिलाफ है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि विधायकों को इस बगावत का अरार लोकसभा में टीएमसी के 28 और राज्यसभा में 13 सांसदों पर भी पड़ना तय है। हालांकि, दलबदल विरोधी कानून से बचने के लिए आवश्यक दो-तिहाई सांसदों का बागी गुट बनना अभी बाकी है, लेकिन भविष्य में इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

राजस्थान से सतीश पुनिया, एमपी से तरुण चूष बने प्रत्याशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने 5 राज्यों में राज्यसभा चुनाव और एक राज्य में उपचुनाव के लिए अपने 11 प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है। इसमें राजस्थान से सतीश पुनिया और मध्य प्रदेश से तरुण चूष का भी नाम है। बीजेपी ने मध्य प्रदेश से तरुण चूष के अलावा रजनीश अग्रवाल को भी टिकट दिया है। वहीं, गुजरात से पार्टी ने 4 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। इनमें राजूभाई शुकला, मुकेशभाई राठवा, मानसिंह परमार, जौतेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया शामिल हैं। मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के अलावा मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से भी प्रत्याशियों के नाम का ऐलान किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

प्रशासन ने श्रीनगर में रोके यात्री

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा मार्ग पर बढ़ते यातायात दबाव, धामों में अत्यधिक भीड़ और खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए श्रीनगर में वाहनों की आवाजाही को थोड़ी-थोड़ी देर के लिए रोके रखा। इस दौरान यात्रियों के वाहनों को अस्थायी रूप से एनआईटी मैदान में खड़ा किया गया और स्थिति सामान्य होने पर उन्हें रवाना किया गया। एसआई प्रमोद कुमार ने बताया कि रुद्रप्रयाग में मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों तथा यात्रा मार्ग पर बढ़ते दबाव के कारण यह व्यवस्था लागू की गई है। धामों की ओर से वाहनों के आने के बाद श्रीनगर से भी वाहनों को धीरे-धीरे आगे भेजा गया, जिससे यातायात सुचारू और सुरक्षित बना रहे। (एजेंसी)

साइकिल सवार की मौत मामले में पुलिस ने शुरु की जांच

श्रीनगर गढ़वाल : उफल्डा के पास मालढेया में गत बुधवार को साइकिल सवार व्यक्ति की मौत मामले की पुलिस जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है कि किसी वाहन की चपेट में आने से वह अनिर्वाचित होकर नदी में गिर गया था लेकिन पुलिस का कहना है कि जिस साइकिल में वह सवार था वह सुरक्षित है। ऐसे में इस घटना को संदिग्ध माना जा रहा है। घटना स्थल के समीप सीसीटीवी कैमरे नहीं होने से जांच में दिक्कतें आ रही हैं। कोतवाली निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि साइकिल सवार कीर्तिनगर में एक हाईवेयर की दुकान में काम करता था, जांच के बाद उसकी पहचान अनिल चौहान (45) पुत्र होलाई चौहान निवासी पकड़ी छापर देवरिया उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। वह यहां डोंग में रहता था। वापसी के दौरान वह सड़क से करीब 40 मीटर नीचे नदी की ओर गिर गया था, जिसे एसडीआरएफ और पुलिस के मदद से खाई से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाजार चौकी इंचार्ज प्रमोद कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार को मृतक के परिजन यहां पहुंचे और पोस्टमार्टम व अन्य कार्यवाही की गई। (एजेंसी)

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में नहीं बिछा डामर

चमोली। बदरीनाथ हाईवे पर भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में डामरीकरण नहीं होने से उड़ रही धूल श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। चारधाम यात्रा के चरम पर होने के कारण हाईवे पर हजारों वाहनों की आवाजाही हो रही है जिससे कमेड़ा, पर्वीडीप, मैठाणा, भनेरगणी, टंगणी, गुलाबकोटी, हेलंग, ज्योतिर्मठ-मारवाड़ी और लामबागड़ समेत कई स्थानों पर धूल के गुबार उड़ रहे हैं। भूस्खलन के बाद सड़क की मरम्मत तो कर दी गई लेकिन अब तक डामरीकरण नहीं हो पाया है। वाहनों के गुजरने से उठ रही धूल के कारण वाहन चालकों को आगे का रस्ता देखने में दिक्कत हो रही है वहीं दोपहिया सवार और पैदल यात्रियों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। दिल्ली से आए श्रद्धालु सुरेश शर्मा और मिथलेश ने कहा कि यात्रा शुरू होने से पहले मार्ग को व्यवस्थित किया जाना चाहिए था। स्थानीय लोगों ने एनएचआईडीसीएल पर निर्भरत पानी का छिड़काव न करने का आरोप लगाते हुए शीघ्र डामरीकरण करने और धूल से निजात दिलाने की मांग की।

रुद्रनाथ मंदिर के लिए डुमक-कलगोठ गांव से बने वैकल्पिक ट्रैक

चमोली। बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने रुद्रनाथ मंदिर तक जाने के लिए डुमक-कलगोठ गांव से वैकल्पिक ट्रैक के निर्माण की मांग की और सीएम को ज्ञापन भेजा। उन्होंने कहा कि डुमक और कलगोठ क्षेत्र से होकर गुजरने वाला यह मार्ग प्राचीन होने के साथ-साथ वर्तमान यात्रा मार्ग की तुलना में अपेक्षाकृत छोट है। फिलहाल इस मार्ग की स्थिति सामान्य है और सुविधाएं सीमित हैं। यदि इसका योजनाबद्ध तरीके से तथा पर्यावरणीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विकास किया जाए तो इससे पूरे क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही रोजगार सृजन और पलायन रोकने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। ऋषि प्रसाद सती ने कहा कि यह मार्ग श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख मार्ग है और अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। डुमक-कलगोठ मार्ग को भी एक वैकल्पिक ट्रैक मार्ग के रूप में विकसित जाए ताकि स्थानीय लोगों को पर्यटन से प्रत्यक्ष लाभ मिल सके।

ठेके के विवाद में पुलिसकर्मी के निलंबन की मांग

रुद्रप्रयाग। उत्तरखंड जंति दल ने चंद्रपुरी-स्थालसौड़ में शराब की उपदुकान के विरोध के दौरान पुलिस पर अभद्रता और मारपीट का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्मेंद ने मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्मेंद के केंद्रीय महामंत्री देवेन्द्र चमोली के नेतृत्व में उन्मेंद कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी से मुलाकात की और घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की। यूकेडी नेताओं ने कहा कि चंद्रपुरी-स्थालसौड़ में शराब की उपदुकान का स्थानीय लोग और पार्टी कार्यकर्ता विरोध कर रहे थे। आरोप है कि इस दौरान पुलिस और आंदोलनकारियों के बीच विवाद हुआ और अभद्रता कर कुछ लोगों के साथ मारपीट की गई। यूकेडी ने घटना की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने पर संबंधित पुलिसकर्मी को निलंबित करने की मांग की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष बलबीर सिंह चौधरी, केंद्रीय उपाध्यक्ष नरेश भट्ट, सुबोध नौटियाल, देवेन्द्र सिंह कंडारी, जीत सिंह जगवाण, हरि पंचोरी, राजेंद्र सिंह बिष्ट, रविंद्र राणा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाली बंद होने से थट्यूड़ बाजार की दुकानों, घरों में घुसा बारिश का पानी

नई टहरी। जौनपुर विकासखंड मुख्यालय में बुधवार शाम हुई तेज बारिश ने मुख्य बाजार और जालसी बस्ती के लोगों को परेशानी बढ़ा दी। पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण मुख्य बाजार की कई दुकानों और जालसी बस्ती के घरों के आसपास पानी भर गया। इससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बुधवार शाम हुई मूसलाधार बारिश के दौरान बाजार क्षेत्र में पानी का तेज बहाव होने लगा। सड़क किनारे नाली बंद होने के कारण बारिश का पानी दोनों ओर जमा होकर जलभराव हो गया। इससे कंठूख संचालक परिवंद यंत्र की दुकान में पानी भर गया। बाजार में जलनिकासी की व्यवस्था न होने पर स्थानीय लोगों ने कड़ा आक्रोश जताया। व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबरी पंवार, जगत अमवाल, महिपाल सजवाण, सुरेंद्र रावत, टेकसी युनिवन अध्यक्ष संजय गौड़ ने लोक निर्माण विभाग से बाजार क्षेत्र में भूमिगत नाली निर्माण करने की मांग की है। उनका कहना है कि जलनिकासी की स्थायी व्यवस्था नहीं होने से वर्षों से लोग परेशान हैं। यदि शीघ्र नाली निर्माण नहीं कराया जाता है तो व्यापारी आंदोलन शुरू करने को बाध्य होंगे।

गर्मी का चढ़ रहा पारा, बीमार हो रहा जन



कोटद्वार का बेस अस्पताल जहां इन दिनों मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में गर्मी का पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। भीषण धूप व गर्म हवाओं ने लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। दोपहर के समय बाजारों और सड़कों पर सनाटा पसरा दिखाई दे रहा है।

आवागमन बढ़ी चुनौती बन गया है। हालांकि, क्षेत्र में कुछ विद्यालयों ने ग्रीष्मकाश घोषित कर दिया है। दोपहर के समय अधिकांश वाहनों में मुख्य बाजार में सड़कें सूनी नजर आ रही हैं। घरों के पंखे भी गर्म हवा फेंक रहे हैं। बाजार में डीहाईड्रेसन से बचाव के लिए लोग ओआरएस व अन्य पेय पदार्थ का सेवन

हीटवे से नुकसान

- शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) होने लगती है।
- चक्कर आना और कमजोरी महसूस होना।
- सिरदर्द और लगातार थकान महसूस होना।
- लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।
- बच्चों और बुजुर्गों की तबीयत जल्दी खराब होती है।
- त्वचा में जलन और आंखों में परेशानी होना।

हीटवे से बचाव के तरीके

- दोपहर में तेज धूप में बाहर निकलने से बचें।
- अधिक से अधिक पानी और तरल पदार्थ पिएं।
- बाहर जाते समय सिर को कपड़े या टोपी से ढकें।
- हल्के रंग और सूती कपड़े पहनें।
- बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें।
- खाली पेट घर से बाहर न निकलें।
- धूप से आने के तुरंत बाद बहुत ठंडा पानी न पिएं।
- अधिक देर तक धूप में काम करने से बचें।
- चक्कर, उल्टी या ज्यादा कमजोरी महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

कर रहे हैं। गर्मी का असर बाजार के व्यापार पर भी पड़ रहा है। अधिकांश लोग घरों से बाहर तक नहीं मिल पा रहे हैं। राजकीय बेस चिकित्सालय के वरिष्ठ फिजिशियन डा. जेसीआर भी आमजन को दोपहर के वक्त घर से बाहर न निकलने का सुझाव दे रहे हैं।

खो-खो प्रतियोगिता पांच जून से

जयन्त प्रतिनिधि

कोटद्वार : दुगड्डा नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष स्व. दीपक मोहन बडोला की स्मृति में राज्यस्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 5 से 7 जून तक चलने वाली तीन दिवसीय खो-खो प्रतियोगिता दुगड्डा स्थित राजकीय इंटर कालेज में करवाई जाएगी। आयोजन समिति की तरफ से विजेता व उपविजेता टीमों को ट्राफी साथ नकद पुरस्कार भी दिए जाएंगे। इसके अलावा बेस्ट डिपेंडर व बेस्ट अटैकर का पुरस्कार दिया जाएगा।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र अश्व डेम्बला एवं पुत्रवधु तनिष्का डेम्बला पत्नी अश्व डेम्बला निवासी रमेश नगर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल पिछले काफी समय से अपनी पत्नी तनिष्का डेम्बला के कहने पर मेरे एवं मेरे परिवार के साथ दुर्व्यवहार करता है एवं मेरे परिवार की इच्छा विनियमों के विरुद्ध कार्य करता है। उसके व्यवहार एवं गतिविधियों से मैं एवं मेरा परिवार अत्यन्त परेशान है। इसलिए दिनांक 31.05.2026 से मैं अपने पुत्र अश्व डेम्बला एवं पुत्रवधु तनिष्का डेम्बला को अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति एवं पारिवारिक संबंधों से बेदखल करता हूँ। अब भविष्य में मेरे पुत्र अश्व डेम्बला एवं पुत्रवधु तनिष्का डेम्बला द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के लेन-देन, ऋण, विवाद अथवा अन्य कार्यों के लिए मैं एवं मेरा परिवार उत्तरदायी नहीं होंगे।

दिनेश डेम्बला पुत्र स्व० जगताराम डेम्बला निवासी रमेश नगर, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल। (0529/21)

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोविग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा मुरादाबाद, एवं बरेली स्टेशन पर पार्किंग के कार्य को IREPS के माध्यम से ठेके पर देने हेतु ई-बोलियों दिनांक 19.08.2026 तथा रुड़की स्टेशन पर पार्किंग के कार्य हेतु ई-बोलियों दिनांक 22.08.2026 को www.ireps.gov.in पर आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, निमय व शर्तें www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1909/2026

दीपक से मिलने नहीं पहुंच पाए राहुल, मायूस हुए कांग्रेसी



जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : मौसम खराब होने के कारण कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कोटद्वार दौरा स्थगित हो गया। ऐसे में पिछले कई दिनों से स्वागत की तैयारी में जुटे कांग्रेसियों में मायूसी देखने को मिली। हालांकि, राहुल गांधी के दौरे को लेकर प्रशासन ने कोटद्वार में पूरी तैयारी

कर ली थी।

कुमाऊं क्षेत्र में मौसम खराब होने के कारण राहुल गांधी ने अल्मोड़ा व पौड़ी में आयोजित जनसभाओं को वर्युअल संबोधित किया। पौड़ी में सभा को संबोधित करने के बाद राहुल गांधी ने कोटद्वार में दीपक कुमार उर्फ मोहम्मद दीपक से मिलने के लिए भी पहुंचना था।

लेकिन, मौसम खराब होने के कारण यह दौरे रहे हो गए। दरअसल, बीती 26 जनवरी को नगर में एक दुकान के नाम को लेकर हुए विवाद के दौरान जिम संचालक दीपक कुमार ने स्वयं को मोहम्मद दीपक बताया। सोशल मीडिया में यह वीडियो वायरल हुआ तो नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक से दिल्ली में मुलाकात की और उन्हें जल्द ही कोटद्वार आकर जिम की सदस्यता लेने का आश्वासन दिया था। इसी के तहत राहुल गांधी ने कोटद्वार आना था।

राहुल के आने से कांग्रेस को नुकसान या फायदा

दरअसल, कोटद्वार व पहाड़ी क्षेत्र में हिंदू वोटर अधिक है। ऐसे में क्षेत्र के अधिकांश लोग मोहम्मद दीपक के साथ खड़े नजर नहीं आ रहे थे। ऐसे में यदि राहुल गांधी कोटद्वार में मोहम्मद दीपक से मिलते तो इससे कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में नुकसान हो सकता था। हालांकि, कोटद्वार से संत बिजनौर सहित उत्तर प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में कांग्रेस को इसका फायदा मिलता। क्योंकि इन क्षेत्रों में मुस्लिम वोटरों की संख्या काफी अधिक है।

सट्टे की खाईबड़ी में एक युवक गिरफ्तार



कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : शहर में कानून व्यवस्था जिसमें सट्टा विवरण अंकित था, बरामद किया गया।

कार्यक्रम पांच जून को

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : संत निरंकारी मिशन के तत्वावधान में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की तरफ से पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधा रोपण व स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। कोटद्वार ब्रांच के इंचार्ज वीरेंद्र मोला व जयहरीखाल के मुखी सुभाष पैंथवाल ने बताया कि निर्धारित तिथि पर लैंसडोन छावनी परिषद के स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा, जिसमें खाली जगहों पर पौधारोपण भी किया जाएगा।

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे।

घर-घर सरकारी योजनाओं को पहुंचाएं कार्यकर्ता व पदाधिकारी

केंद्र में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित किया गया कार्यक्रम



आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते भाजपा के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : केंद्र में भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने घर-घर सरकारी योजनाओं को पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के तहत पांच से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। भाजपा कोटद्वार सांगठनिक जनपद की ओर से बैठक

का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ सांगठनिक जनपद के सह प्रभारी संदीप गौयल व भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को अभियान के उद्देश्यों और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। वक्तव्यों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने आर्थिक, सामरिक, औद्योगिक और सैन्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। केंद्र

14 जून तक प्रत्येक विधायक क्षेत्र में विशेष जनसंघर्ष अभियान चलाया जाएगा।

इस मौके पर लैंसडउन विधायक दिलीप रावत, पूर्व मंत्री विजया बडुथवाल, राजेंद्र अथवाल, ऋषि कंडवाल, रणवीर सजवान, सीता चौहान, मधुसूदन बल्लूनी, हेमंत बहुखंडी, मोहन सिंह नेगी, हरी पुंडीर, बीना रावत, प्रमोद डोबरियाल, शांता बमराड़ा, अनिता आर्य आदि मौजूद रहे।

बुजुर्ग को कार ने मारी टक्कर घायल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : दुगड्डा बैरियर के समीप पैदल चल रहे एक बुजुर्ग पर तेज रफ्तार थार ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को 108 की मदद से कोटद्वार बेस अस्पताल पहुंचाया गया। डॉ. हनुमंती निवासी मान सिंह खरीददारी करने के लिए बाजार आए हुए थे। इसी दौरान वह दुगड्डा बैरियर के समीप घूम रहे थे। तभी विपरीत दिशा से तेज रफ्तार में आ रही एक थार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर लाते ही बुजुर्ग बेहोश होकर सड़क पर गिर गए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का जन्म दिनांक 14/02/2022 को हुआ था। जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम हिमांशी दर्ज है। अब मैं अपनी पुत्री का नाम हिमांशी से बदलकर रेवा सिंह रखना चाहता हूँ। अतः मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में मेरी पुत्री का नाम रेवा सिंह दर्ज किया जाय।

राम सिंह शैल्यमान पुत्र श्री हेमराज सिंह शैल्यमान निवासी ग्राम नेहरू नगर, ब्लॉक 4, प्रथम तल, हुजूर, भोपाल, मध्य प्रदेश। (0528/21)

अतालती सूचना

न्यायालय श्रीमान् असिस्टेंट कलेक्टर कोटद्वार

बंवावा संख्या

सन् 2026

गोपाल सिंह आदि बनान् दान सिंह आदि समन बनान् :- 1. दान सिंह पुत्र बहादुर सिंह, 2. कला देवी पत्नी पूर्ण चन्द्र, 3. अजय जुवाल पुत्र शिवप्रसाद जुवाल, 4. संदीप नेगी पुत्र प्रेम सिंह, 5. अजय जुवाल पुत्र शिवप्रसाद, 6. शांति देवी पत्नी पूर्ण चन्द्र, 7. विजय पुत्र पूर्ण चन्द्र, 8. पूजा पत्नी पूर्ण चन्द्र, 9. अजय जुवाल पुत्र शिव प्रसाद जुवाल, 10. संदीप नेगी पुत्र प्रेम सिंह निवासी ग्राम दलीपपुर, पट्टी हल्लूखाता, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल।

....प्रतिवादीगण

हराहाह आपके सूचित किया जाता है कि वादी ने आपके खिलाफ दावा अन्तर्गत धारा-176 यूओए जेडओ एण्ड एलओ 100 ऐक्ट मेरे न्यायालय में दायर किया है जिसमें कि वास्ते सुनवाई दिनांक 10-07-2026 नियत है।

अतः आपके सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 10-07-2026 को सुबह 10-00 बजे मेरे न्यायालय में चकालतन या असलतन हाजिर होकर अपने मामले की पैर्वा करें। यदि आपने ऐसा करने में चूक की तो आपके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 26/5/26 को मेरे हस्ताक्षर व मुद्रा से जारी किया गया। न्यायालय श्रीमान् असिस्टेंट कलेक्टर कोटद्वार गढ़वाल (0530/11)

उत्तर रेलवे (मुरादाबाद मण्डल) निविदा सूचना

क्र.सं.	कार्य का नाम एवं लोकेशन	कार्य की अनुमानित लागत (₹.)	कार्यालय का पता जहाँ से निविदा प्रपत्र जारी किया गया है।	बिड तिवर्युटि राशि (₹.)	कार्य के पूर्ण करने की समय अवधि	निविदा प्रपत्र खुलने की तिथि व समय	वेबसाइट एवम कार्यालय का पता
1	18/ वरिष्ठ मं.वि.अभि./सा / मुरा./2026-- रेलवे स्टेशन L.R.J, YNRK, RSHK,DDN, HW आदि पर केबल और आंतरिक वायरिंग प्रणालियों के उन्नयन व विद्युत कार्य, साथ ही, HW और आसपास के स्थानों पर विद्युत उपकरणों के लिए अर्थिंग और सुरक्षा प्रणालियों के सर्वेक्षण और उन्नयन के लिए विद्युत कार्य।	25511049.69	विद्युत शाखा, मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर रेलवे, मुरादाबाद	510200.00	6 (छ) माह	निविदाये दिनांक 25.06.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन 15:00 बजे खोली जायेगी।	वेबसाइट www.ireps.gov.in मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय/ मुरादाबाद

निविदा सूचना सं. : 20/2026 दिनांक : 03.06.2026 1891/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तराखण्ड पावर कॉर्पोरेशन लि.

(उत्तराखण्ड सरकार का उपकरण) कॉर्पोरेट आई.टी.सी. संख्या : U40100UP20015G025867/2358 कार्यालय अधिशासी अधिकारिता, विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार

ई-निविदा सूचना

विद्युत वितरण खण्ड, कोटद्वार के अन्तर्गत निम्न वर्णित कार्यों के निष्पादन हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसमें उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रवृत्त विद्युत डेकेदाररी ए श्रेणी लाईसेंस प्राप्त (जी०एस०टी, ई०पी०एफ व ई०एस०आई में पंजीकृत) हो तथा पंजीकृत डेकेदाररी से निविदाएं दो भागों में जिसमें प्रथम भाग में वांछित जी०एस०टी, ई०पी०एफ, ई०एस०आई, धरोहर धनराशि किसी भी बैंक / डाकघर की एफडीआर / सीडीआर / राट्टीय बचत पत्र के रूप में अधोहस्ताक्षरकर्ता के पक्ष में बंधक होनी चाहिए एवं अन्य शर्तों को निविदा से सम्बन्धित हो तथा द्वितीय भाग में तैरे जो कि ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि से कम से कम 06 माह के लिए वैध हो आमंत्रित की जाती है बिना प्रथम भाग के निविदा भाग दो नहीं खोली जायेगी। यदि निविदा खुलने के दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहता है तो आगे कार्य दिवस को निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को यह अधिकार है कि वह बिना कारण बताए समस्त अथवा किसी भी ई-निविदा को निरस्त कर सकते हैं। ई-निविदा संख्या-01/EDDK/26-27, धरोहर धनराशि ₹ 39000.00, ई-निविदा संख्या-02/EDDK/26-27, धरोहर धनराशि ₹ 45000.00, ई-निविदा संख्या-03/EDDK/26-27, धरोहर धनराशि ₹ 45000.00 एवं ई-निविदा संख्या-04/EDDK/26-27, धरोहर धनराशि ₹ 45000.00 तथा ई-निविदा प्रपत्र कार्यालय में जमा करने की तिथि 20.06.2026 को 11.00 बजे तक स्वीकार की जायेगी कार्य अन्य विवरण के लिये वेबसाइट www.ukntenders.gov.in को देखें।

पत्रांक: 1514/विद्युत/की/टी-6 दिनांक: 04.06.2026 अधिशासी अधिकारिता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं. 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन गुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं। (विद्युत चौरी की सूचना टोल फ्री नं. 1800 1800 4185/ फ़ैक्स संख्या-0135-2760911 पर दें।)

संपादकीय

निराशा कांग्रेस, चूका मौका

आखिरकार कांग्रेसियों का बहु प्रतीक्षित आयोजन धरा का धरा रह गया। राहुल गांधी खराब मौसम के कारण रैली स्थल पर नहीं पहुंच पाए और रामनगर हेलीपैड से ही उन्हें वापस दिल्ली जाना पड़ा। हालांकि उन्होंने मोबाइल फोन के माध्यम से जैन समूह को संबोधित करने का प्रयास किया लेकिन अपने नेता के न पहुंचने से मायूस भीड़ वापस लौटने लगी थी। निश्चित तौर पर यह कांग्रेस नेताओं के लिए एक निराशा का समय बन गया क्योंकि इस रैली के लिए बड़े स्तर पर मेहनत की गई थी और उम्मीद की गई थी कि राहुल गांधी का अल्मोड़ा एवं पौड़ी दौरा उत्तराखंड विधानसभा चुनावों की आगे की रणनीति तैयार करेगा। राहुल गांधी के दौर में मौसम की बाधा पड़ने से निश्चित तौर पर भाजपा नेताओं ने भी राहत की सांस ली है क्योंकि राहुल के दौर से पहले ही जिस प्रकार का विरोधाभासी बयानबाजीयों और माहौल भाजपा नेताओं द्वारा बनाया जा रहा था वह उनकी हताशा को स्पष्ट प्रदर्शित कर रहा था। अब सवाल भी उठे जा रहे हैं कि आखिर अल्मोड़ा और पौड़ी में यह जनसभा क्यों रखी गई जबकि पहले से ही मौसम के खराब होने का अंदेशा नजर आने लगा था। राहुल गांधी के रैली में न पहुंचने के बाद अब जिस प्रकार की बयानबाजी भाजपा नेताओं द्वारा की जा रही है वह अच्छे राजनीति के संकेत नहीं है कदा जा रहा है कि देवी देवता भी नहीं चाहते कि राहुल गांधी देव भूमि में आए, इससे हाके दुष्प्रति गौतम का बयान भी चर्चाओं में रह चुका है। राजनीति का स्तर साफ सुथरा होना चाहिए और यदि कोई नेता अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए आ रहा है तो उसे सहज भाव में लेते हुए अपनी तैयारी पर ध्यान देना चाहिए। कांग्रेस को जनसभा में राहुल गांधी के न पहुंचने से निराशा हाथ लगी है और जनता तक अपनी बात पहुंचाने का जो मंच एक सशक्त माध्यम साबित हो सकता था वह सिर्फ स्थानीय नेताओं की भाषण बाजी तक सीमित रह गया। हालांकि राहुल गांधी द्वारा जल्दी पुनः कार्यकर्ताओं और पूर्व सैनिकों व युवाओं से मिलने का आश्वासन दिया गया है लेकिन इतनी बड़ी तैयारी को आयोजित करना किसी भी संगठन के लिए चुनौती भरा कार्य होता है। फिलहाल भाजपा संगठन ने राहत की सांस ली है तो वहीं कांग्रेस को इस निराशा के बावजूद अपने संगठन को मजबूत बनाने के साथ-साथ ठोस नेतृत्व की दिशा पर ध्यान देना चाहिए।

द्विंत-मन

सच्चा पुरुषार्थ

यह बात उन दिनों की है जब स्वामी विवेकानंद की चर्चा दुनिया भर में फैल चुकी थी। उनके विचारों को लेकर हर जगह विचार-विमर्श चल रहा था। उन्हें एक आदर्श के रूप में स्थापित होता देख एक विदेशी महिला बहुत प्रभावित हुई। उसने स्वामी विवेकानंद से विवाह करने का मन बना लिया। बस, इसके बाद वह हरदम उन्हीं के बारे में सोचती रहती। संयोग से एक दिन स्वामी विवेकानंद एक सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे तो उसने उनसे मिलने की टान ली। वह किसी तरह उसी स्थान पर जा पहुंची जहां सम्मेलन हो रहा था।

महिला स्वामी जी के समीप जाकर निर्भक्ता से बोली, स्वामी जी, मैं आपसे विवाह करना चाहती हूँ। स्वामी विवेकानंद ने उससे पूछा, क्यों, विवाह तुम आखिर मुझसे ही क्यों करना चाहती हो? क्या तुम यह नहीं जानती कि मैं तो एक संन्यासी हूँ? महिला ने पूरी विनम्रता से कहा, देखिए, बात ये है कि मैं आपके जैसा ही गौरवशाली, सुशील और तेजमय पुत्र चाहती हूँ। और वह तो तभी संभव होगा जब आप मुझसे विवाह करेंगे।

यह सुनकर स्वामी विवेकानंद ने उत्तर दिया, देखो, हमारी शादी तो संभव नहीं है, परंतु एक उपाय अवश्य है। महिला बोली, कैसा उपाय? स्वामी विवेकानंद बोले, आज से मैं ही आपका पुत्र बन जाता हूँ और आप मेरी मां बन जाएँ। आपको मेरे जैसा पुत्र मिल जाएगा। विवेकानंद की यह बात सुनकर विदेशी महिला उनके चरणों पर गिर पड़ी और बोली, स्वामी जी, सचमुच आप साक्षात् ईश्वर के रूप हैं। इसे कहते हैं पुरुष और ये होता है पुरुषार्थ। सच्चा पुरुषार्थ तभी होता है जब पुरुष नारी के प्रति अपने मन में पुत्र जैसा भाव ला सके और उसमें मातृत्व की भावना उत्पन्न कर सके।



सुनील कुमार महला

मध्य पूर्व में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ समय से युद्धविराम और शांति वार्ता की उम्मीदें बार-बार बनती और टूटती रही हैं। सच तो यह है कि शांति वार्ता फिलहाल गतिरोध का शिकार दिखाई दे रही है। अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत के कई दौर हो चुके हैं, लेकिन दोनों पक्ष अपनी-अपनी शर्तों पर अड़े रहने के कारण किसी ठोस समझौते तक नहीं पहुंच सके हैं। परिणामस्वरूप शांति प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है और क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही



किशन सनमुखदास भावनानी

जवाबदेही संस्थागत विफलताएँ भ्रष्टाचार और भविष्य की सुरक्षा के वैश्विक परिप्रेक्ष्य समग्र व्यापक विश्लेषण...

अग्निकांड केवल एक दुर्घटना नहीं, यह उस पूरे प्रशासनिक, निगमक और सामाजिक तंत्र की प्रणालीगत विफलता है जो नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है?

जब तक पारदर्शिता, नियमित निरीक्षण, शून्य- सहिष्णुता वाली भ्रष्टाचार-विरोधी नीति, संस्थागत समन्वय और कठोर जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तब तक ऐसी त्रासदियाँ बार-बार मानव जीवन की भारी कीमत वसूलती रहेंगी

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भूधण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल, अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे क्यों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है, लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई हैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंडिया

मध्य पूर्व संकट (अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव) और बुद्ध का शांति मार्ग

हैं मिसाइल, ड्रोन और हवाई हमलों की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और गहरी हुई है। लेबनान सहित अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष ने भी हालात को और जटिल बना दिया है। ईरान का आरोप है कि उस पर तथा उसके सहयोगी समूहों पर लगातार दबाव बनाया जा रहा है, जबकि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय सुरक्षा के नाम पर अपनी सैन्य कार्रवाइयों को आवश्यक ठहराते हैं। बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अमेरिका के साथ चल रही कुछ वार्ताओं को स्थगित कर दिया है, जिससे युद्धविराम और समझौते की संभावनाओं को झटका लगा है। वास्तव में, इस संकट का प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य विश्व के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्गों में से एक है। वहाँ किसी भी प्रकार की रुकरी रुकरी सुरक्षा व्यवस्था, नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। मॉडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी, जबकि वहाँ लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थे। प्रशासनिक तंत्र के अनुसार लोग धुएँ और लपेटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गढ़े बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही, नियमों की अवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

अग्निकांडों से सीख: यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिड स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भूधण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली, बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था, नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। मॉडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी, जबकि वहाँ लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थे। प्रशासनिक तंत्र के अनुसार लोग धुएँ और लपेटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गढ़े बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही, नियमों की अवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई बिद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधन अवरुद्ध कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 42 लोगों की मृत्यु हुई, जहाँ फेक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी उसी वर्ष दिल्ली

शांति स्थापित हो सकी है। एक ओर बातचीत जारी है, तो दूसरी ओर जमीन पर तनाव भी बना हुआ है। इसलिए सभी पक्षों को सैन्य विकल्पों के बजाय संवाद, कूटनीति और आपसी विश्वास के माध्यम से स्थायी शांति का मार्ग तलाशना चाहिए। यदि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जल्द कोई व्यापक समझौता नहीं होता, तो इसका असर क्षेत्रीय सुरक्षा, तेल कीमतों और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। ऐसे में स्थायी युद्धविराम और कूटनीतिक समाधान ही वर्तमान संकट का सबसे प्रभावी मार्ग है। बहरहाल, आज विश्व में बढ़ती हिंसा, तनाव और अराजकता के बीच भगवान बुद्ध का मार्ग पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। बुद्ध ने सत्य, अहिंसा, करुणा और मध्यम मार्ग का संदेश देकर मानवता को शांति का रास्ता दिखाया। उनका मानना था कि क्रोध, लोभ और द्वेष अधिकांश समस्याओं की जड़ हैं। यदि व्यक्ति और समाज उनके उपदेशों को अपनाएँ, तो आपसी संघर्ष और वैमनस्य को काफी हद तक कम प्रभावित किया जा सकता है। बुद्ध का मार्ग आत्मसंयम, सहिष्णुता और मैत्रीभाव की शिक्षा देता है। आज की अशांति दुनियाँ में स्थायी शांति और सामाजिक सद्भाव के लिए उनके विचार प्रेरणास्रोत हैं। उनका संदेश किसी एक धर्म या

समुदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के कल्याण का संदेश है। इसलिए वर्तमान समय में बुद्ध के मार्ग को अपनाया एक बेहतर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण भविष्य की आवश्यकता बन गया है विशेष रूप से अमेरिका, ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और संघर्ष के इस दौर में भगवान बुद्ध के शांति, करुणा और अहिंसा के सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक दिखाई देते हैं। बुद्ध ने सिखाया था कि हिंसा से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि प्रेम, संवाद और समझ से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। यदि सभी पक्ष टकराव और प्रतिशोध की भावना त्यागकर वैय, संयम और आपसी सम्मान के साथ बातचीत का मार्ग अपनाएँ, तो विवादों का शांतिपूर्ण समाधान संभव है। बुद्ध का मध्यम मार्ग अतिरिक्त और कठोरता से दूर रहकर संतुलित निर्णय लेने की प्रेरणा देता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि सैन्य शक्ति के प्रदर्शन के बजाय कूटनीति, विश्वास और मानव कल्याण को प्राथमिकता दी जाए। यही दृष्टिकोण ने केवल मध्य पूर्व में शांति स्थापित कर सकता है, बल्कि वैश्विक स्थिरता, मानवता और विश्व बंधुत्व को भी सुदृढ़ बना सकता है। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

के मुंडका फायर ट्रेगेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहाँ धुएँ और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है, नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑउट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी।

साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय-समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था, क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिलेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वहाँ तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध अग्नि, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की जाली नहीं बल्कि निगरानी तंत्र की सटीकता से विफलता भी मानी जाएगी।

साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। सामान्यतः पुलिस को आपदा के समय कानून-व्यवस्था बनाए रखने, बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है, जबकि वास्तविक आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है। विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित

अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है। साथियों, आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है। यदि किसी भवन में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना, मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए।

लेकिन दृष्टिकोण, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरूआती कुछ मिनेट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं। साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही अनुमति, उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षा उपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनियाँ के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि निर्माणों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्तत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय



ललित गर्ग

विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं है यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें क्षमा नहीं करेंगी।

पॉच जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम 'प्लास्टिक प्रदूषण का अंत' (Taming Plastic Pollution) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भूधण गमी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक



प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है। पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसे प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। अनुसूचित और वनोपयोगी विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियाँ मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों

की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र अस्तुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है'। गरीब और कमजोर वर्गों में अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि अजैव और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंत्रियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण है कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है। फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को

बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनादेश का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैचा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं है यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अक्सर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी : जून से अगस्त तक भयंकर गर्मी का अलर्ट, अल नीनो बढ़ाएगा आफत

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी ने मध्यमा या तीव्र अल नीनो का पूर्वानुमान लगाया है। उसने चेतावनी दी इससे न सिर्फ वैश्विक तापमान बढ़ने का खतरा है बल्कि आगामी महीनों में मौसम की चरम घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, गर्म समुद्री जल अल नीनो के विकास को बढ़ावा दे रहा है और जून से अगस्त तक दुनिया के अधिकांश हिस्सों में औसत से अधिक तापमान रहने का अनुमान है। अल नीनो मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में आवधिक वृद्धि है, जो आमतौर पर नौ से बारह महीने तक रहती है। डब्ल्यूएमओ ने कहा, यह अल नीनो नवंबर तक जारी रहने की संभावना है। उसने कहा, अल नीनो कितना तेज होगा, यह अभी भी अनिश्चित है क्योंकि मौसम विज्ञान के मॉडल इसकी तीव्रता पर भिन्न-भिन्न राय रखते हैं, लेकिन अधिकारियों ने तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया है। डब्ल्यूएमओ की महासचिव सेलेस्टे साउलो ने कहा, तीव्र अल नीनो घटना के लिए तैयार रहना ही होगा, क्योंकि इससे सूखा और भारी वर्षा बढ़ेगी और जमीन तथा समुद्र दोनों पर लू का खतरा भी बढ़ेगा।

इस्राइल में गृहयुद्ध जैसे हालात : सैन्य भर्ती के खिलाफ सड़कों पर उतरे अति-रूढ़िवादी यहूदी, फूक दी कारें

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। हिंसक प्रदर्शनों में उरन यातायात बाधित कर दिया और कुछ स्थानों पर कारों में आग लगा दी। पुलिस ने कहा, प्रदर्शनों में कई प्रमुख वीरों को रोका और एक बस से उतरे सैनिक पर हमला किया। बीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की भीखों का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन से जनजीवन टप हो गया। हालात इतने विकट हो गए कि मध्य क्षेत्र स्थित यरुशलम और तेल अवीव में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित रही। साइल में अधिकतर यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, प्रभावशाली लोग छूट हासिल करते रहे हैं। अब यह छूट खतरों में दिख रही है। बड़ी संख्या में इस्राइली युवक लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह असंतोष सेना के दबाव झेलने के चलते बढ़ गया। इस्राइली युवाओं में अनिवार्य सैन्य भर्ती के लिए आक्रोश इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि अनेक नागरिकों को रिजर्व यूनिटों के लिए बार-बार मोर्चे पर लौटना पड़ा है। खासतौर पर पिछले कुछ वर्षों में गाजा और फिर लेबनान, ईरान तथा यमन में शुरू लड़ाई के चलते युवाओं के लिए यह नियम परेशानी बन गया है। इससे परिवारों में भी असंतोष है। यह विवाद अब पीएम बेजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी गंभीर सियासी संकट का कारण बन गया है। अति-रूढ़िवादी दलों द्वारा सरकार से समर्थन वापसी के बाद गठबंधन में दरार गहरा गई है। इसके चलते इस वर्ष के चुनाव समय पूर्व कराए जा सकते हैं।

पांच महीने की बच्ची की हत्या करने वाले शख्स को दिया गया मौत का इंजेक्शन, 29 साल पहले मिला था मृत्युदंड

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में अपनी प्रेमिका की पांच महीने की बच्ची की हत्या कर उसके शव को तालाब में फेंकने वाले एक व्यक्ति को मंगलवार शाम मौत की सजा दे दी गई। 153 वर्षीय एंड्रयू रिचर्ड ल्यूकाट को स्टार्क स्थित फ्लोरिडा स्टेट प्रिजन में तीन दवाओं के घातक इंजेक्शन दिए जाने के बाद शाम 6:19 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 1996 में पांच माह की गैब्रिएल हेरॉली की हत्या और गंभीर बाल उपीड़न के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 1997 में मृत्युदंड सुनाया गया था। शाम छह बजे जब फांसी कक्ष का पर्दा उठा, तब ल्यूकाट पहले से ही एक टेबल पर बांधा हुआ था और उसके हाथ में आईटी लगी हुई थी। उसकी मौत तक एक पादरी टेबल के पास बैठकर उसके लिए प्रार्थना करता रहा। जब जेल अधीक्षक ने उससे अंतिम बयान के बारे में पूछा तो उसने दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठे लोगों की ओर देखकर कहा, 'मैं माफ़ी चाहता हूँ।' घातक दवाओं का इंजेक्शन शुरू होने के तुरंत बाद ल्यूकाट बेहोश हो गया। कुछ मिनट बाद जेल अधीक्षक ने उसे हिलाकर उसका नाम पुकारा, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद एक चिकित्सकमी ने उसके जीवन संकेतों की जांच की और कुछ मिनट बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुधार विभाग के प्रवक्ता जॉर्डन किर्कलैंड ने इस वार्ता में बताया कि ल्यूकाट ने अंतिम बयान लेने से इनकार कर दिया था और फांसी से पहले किसी मुलाकाती से नहीं मिला। हालांकि, उसने एक आध्यात्मिक सलाहकार से मुलाकात की थी। यह वर्ष 2026 में फ्लोरिडा में दी गई आठवीं फांसी थी।

अमेरिकी सांसद की चेतावनी: वीजा में देरी से US में डॉक्टरों की कमी का खतरा, जानें भारतीयों पर पड़ेगा कितना असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी है कि जे-1 वीजा सूट की प्रक्रिया में देरी के कारण विदेश में प्रशिक्षित सैकड़ों डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है। इससे खासकर ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी और बढ़ सकती है। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट प्रतिनिधि गिलिब्रैंड ने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि प्रशासनिक लंबित मामलों के कारण योग्य विदेशी डॉक्टर देशभर के अस्पतालों में नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इसमें न्यूयॉर्क के कई ग्रामीण और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्र भी शामिल हैं। अमेरिकी में काम करने वाले भारत के मेडिकल ग्रेजुएट्स सबसे ज्यादा : गिलिब्रैंड ने लिखा, 'ऑफिस ऑफ ग्लोबल हेल्थ सेक्टर में प्रशासनिक रुकावट के कारण सैकड़ों योग्य विदेशी डॉक्टर अमेरिका में अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर पा रहे हैं।' यह मुद्दा भारत के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि अमेरिका में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स में भारतीय डॉक्टरों की संख्या सबसे अधिक है। गिलिब्रैंड ने कहा कि न्यूयॉर्क राज्य डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टरों पर काफी निर्भर है, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां डॉक्टरों की भर्ती करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले संस्थान योग्य डॉक्टरों को सिर्फ प्रशासनिक देरी के कारण खो नहीं सकते। न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 16 ग्रामीण काउंटीयों में डॉक्टरों की भारी कमी है। कई काउंटीयों में एक भी बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) या स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ नहीं है। इन क्षेत्रों में औसतन हर 10,000 लोगों पर केवल 4 प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जो राज्य के औसत से आधे से भी कम है। इन क्षेत्रों में अस्पताल अक्सर जे-1 वीजा वेबर कार्यक्रम पर निर्भर रहते हैं। यह कार्यक्रम विदेशी डॉक्टरों को अमेरिका में रहने की अनुमति देता है, यदि वे डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों में काम करने के लिए सहमत हों। गिलिब्रैंड ने कहा कि वेबर आवेदन की प्रक्रिया में कई महीनों की देरी के कारण डॉक्टर नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं और अस्पतालों को अगले वर्ष की स्टाफिंग योजना बनाने में कठिनाई हो रही है। मरीजों के इलाज पर पड़ रहा सीधा असर उन्होंने लिखा, 'मेरे कार्यालय को न्यूयॉर्क के कई अस्पतालों और डॉक्टरों से शिकायतें मिली हैं कि उन्हें नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बावजूद महीने से कोई स्थिर जवाब नहीं मिला है।' उन्होंने कहा कि ये प्रशासनिक देरी सिर्फ असुविधा नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिरता और मरीजों के इलाज पर सीधा असर पड़ सकता है। गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी कि स्थिति इसलिए और गंभीर हो गई है क्योंकि रेजिडेंसी पूरी कर रहे कई डॉक्टरों के लिए 30 जुलाई एक महत्वपूर्ण समसमीक्षा है। यदि तब तक उनके वेबर आवेदन मंजूर नहीं होते, तो उन्हें अपने देश वापस लौटना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर समय पर अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा, विदेश विभाग और प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो इन डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है और इसका खामियाखान न्यूयॉर्क के लोगों को भुगतना पड़ेगा। गिलिब्रैंड ने बताया कि अप्रैल में अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा ने उनके कार्यालय को जानकारी दी थी कि ऑफिस ऑफ ग्लोबल हेल्थ सेक्टर में बड़ी संख्या में अमेरिकी डॉक्टरों पर काम कर रहा है और प्रक्रिया में सुधार भी कर रहा है। हालांकि, विभाग ने यह नहीं बताया कि लंबित मामलों का निपटारा कब तक होगा। उन्होंने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा से 15 जून तक यह जानकारी देने को कहा है कि कितने आवेदन लंबित हैं, उन्हें निपटने में कितना समय लग रहा है और क्या जरूरत वाले क्षेत्रों में काम करने वाले डॉक्टरों के मामलों की प्रक्रिया तेज की जा सकती है।

इस्राइल का दक्षिणी लेबनान पर बड़ा हमला धमाकों से दहले कई इलाके; एयरस्ट्राइक जारी

यरुशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और वार दोनों साथ चल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि उनके दखल के बाद इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच लड़ाई रुक गई है। ट्रंप के मुताबिक, इस्राइल अब बेरूत पर हमला नहीं करेगा और हिजबुल्ला भी गोलाबारी रोकेगा। साथ ही अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता भी आखिरी दौर में है। लेकिन जमीन पर हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। ट्रंप के इस दावे के कुछ ही घंटों बाद लेबनान की तरफ से दो रॉकेट दागे गए। इस्राइली वायुसेना ने इन्हें हवा में ही मार गिराया। दूसरी तरफ, ईरान ने भी अभी तक अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर दस्तखत नहीं किए हैं। सूत्रों का कहना है कि ईरान सिर्फ वार्ता पर भरोसा नहीं करेगा। वह प्रतिबंध हटाने और सुरक्षा के मोर्चे पर ठोस जमीनी कदम चाहता है।



श्रृंखला को नाकाम कर दिया है। इसके साथ ही अमेरिका ने ईरान के केशम द्वीप पर जवाबी कार्रवाई भी की है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि तेहरान ने क्षेत्र में हवाई हमलों की एक लहर शुरू की थी। सैन्य कमांड ने नोट किया कि ईरान ने क्षेत्रीय पड़ोसियों की ओर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, सभी अपने लक्ष्यों को भेदने में विफल रहें। सेंटकॉम ने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ की गई रक्षात्मक कार्रवाइयों का विवरण देते हुए खुलासा किया कि कुवैत पर दागी गई दो ईरानी मिसाइलें या तो लक्ष्य तक नहीं पहुंचीं या रास्ते में ही नष्ट हो गईं। वहीं, बहरीन पर लॉन्च की गई तीन मिसाइलों को अमेरिकी और बहरीन की वायु रक्षा बलों ने तुरंत रोक लिया। यूएई के परमाणु संयंत्र पर झेन हमले के बाद आईईएर बोला- 'दो तर्कनीकी संभावना अल जजीरा की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी

(आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रांसी ने पुष्टि की है कि वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था संयुक्त अरब अमीरात को व्यापक समर्थन दे रही है। यह समर्थन पिछले महीने झेन हमले में निशाना बनाए गए परमाणु ऊर्जा संयंत्र के आधिकारिक दौरे के बाद दिया गया है। ग्रांसी ने कहा कि अधिकारियों ने बरकहा परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हुई घटना पर असाधारण रूप से तीव्र परिचालन प्रतिक्रिया का प्रदर्शन किया और संयंत्र में बाहरी बिजली की आपूर्ति बाधित होने के तुरंत बाद रिपेक्टर को बंद करने की प्रक्रिया को तेजी से अंजाम दिया। आईएईए प्रमुख ने आगे संकेत दिया कि सुविधा में मरम्मत के काम का पूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी आकलन और परिचालन गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की जानी है। ग्रांसी ने बिजली संयंत्र में आगामी रखरखाव कार्य की सटीक प्रकृति या समयसीमा के संबंध में कोई और विशिष्ट विवरण नहीं दिया। यह महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप 17 मई को झेन हमले के कारण संयुक्त अरब अमीरात की एकमात्र परमाणु ऊर्जा सुविधा में लगी आग के बाद हुआ है, जिसकी पुष्टि बाद में राज्य के अधिकारियों द्वारा की गई थी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने संसद को बताया कि ईरान को दी जाने वाली कोई भी प्रतिबंध रहत परमाणु कार्यक्रम से जुड़ी होगी, न कि होमूज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से। अंतरराष्ट्रीय

ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए, आईएईए प्रमुख का बयान



वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रांसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारीयों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है। ग्रांसी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब इस्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका में चौथे दौर की बातचीत होनी है, जिसके लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री रूबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के पहलुओं पर बातचीत करने के लिए तैयार है। सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सामने बोले हुए रूबियो ने कहा, हम बात कर रहे हैं। हमारे सामने एक संभावना है, जो आज या कल हो सकती है या इसमें एक सप्ताह भी लग सकता है। पहली बार है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हुआ है। रूबियो ने होमूज खोलने की वकालत की और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को मुक्त रखने की मांग की। रूबियो ने जोर दिया कि यदि ईरान होमूज जलडमरूमध्य खोलता है, तो अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी को हटा देगा। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मौजतबा खामेनेई जीवित हैं और अभी भी निर्णय लेने में शामिल हैं, लेकिन यह भी कहा कि मौजतबा केवल लिखित संदेश और मध्यस्थों के माध्यम से संवाद करता है। रूबियो ने कहा कि ईरान की बातचीत की प्रक्रिया बहुत केंद्रित प्रतीत होती है, ईरानी अधिकारियों द्वारा भेजे गए संदेशों के साथ एक मंजूरी के लिए परिषद को भेजा जाता है, एक प्रक्रिया जो उनके अनुसार प्रतिक्रिया देने से पहले तीन से पांच दिन तक का समय ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी और इजरायली हमले ईरान के मिसाइल और झेन क्षमताओं को बहुत कम कर दिया है, लेकिन यह स्वीकार करते हुए कि तेहरान अभी भी बहुत सारे झेन है, और यह नोट करते हुए कि झेन का उत्पादन करना अपेक्षाकृत आसान है। इस्राइल और लेबनान के बीच चौथे दौर की यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब सीमा पर हमले अभी भी हमले जारी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दोनों देशों के बीच विवाद की जल्द समाधान की उम्मीद व्यक्त की। रूबियो ने बताया कि इस्राइल और लेबनान के बीच कल ही शांति समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस्राइल ने लेबनान में कोई क्षेत्रीय दावा नहीं किया है।

भारत समेत 60 देशों पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा अमेरिका, लगाए बंदूके आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबर्न श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने दिया प्रस्ताव : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघोय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबर्न श्रम द्वारा बनाया जाता है। भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं। जैमिसन ग्रीर ने जारी किया बयान : अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने अपने बयान में कहा, 'हमारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों द्वारा जबर्न श्रम से निर्मित वस्तुओं के निर्यात को रोकने में विफलता अस्वीकार्य है। इससे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती हैइससे अमेरिकी कामगारों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।' अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने इन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है और इस पर जनता से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

क्या है सेवशन 301?: जिसके आड़ में दोबारा टैरिफ लगाने की फिराक में है यूएस, कैसे बन रही 60 देशों की लिस्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका भारत समेत 60 देशों के खिलाफ नए व्यापारिक कदम उठा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने संकेत दिया है कि 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून की धारा 301 के तहत चल रही जांच के नतीजे आने वाले हफ्तों में जारी किए जाएंगे। जांच में दक्षिण कोरिया, चीन, जापान और भारत सहित 70 से अधिक देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा की जा रही है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने कहा कि अगर जांच में अनुचित व्यापारिक प्रथाएं, अत्यधिक उत्पादन क्षमता या जबर्न श्रम से जुड़े मामलों की पुष्टि होती है, तो अमेरिका अतिरिक्त टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव ला सकता है। धारा 301 के तहत कैसे तलाशी जा रही है सभ्यवनाएं : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय



द्वारा जारी बयान के अनुसार, धारा 301 के तहत यह पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव डालती हैं और अमेरिकी कारोबार में बाधा उत्पन्न करती हैं। स्क्वअरअमेरिका की व्हाट्सएप एजेंसी है जो देश की विदेश व्यापार नीति तैयार करने और व्यापारिक जांच करने के लिए जिम्मेदार है। बयान में कहा गया है कि भारत समेत 54 देश ऐसे उत्पादों के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिनके निर्माण में जबर्न

या अनुचित पाए जाने पर जवाबी कार्रवाई की अनुमति देता है। इसके तहत अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ), व्यापारिक प्रतिबंध या अन्य दंडात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। ग्रीर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन का उद्देश्य अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करना और उत्पादन गतिविधियों को वापस अमेरिका लाना है। उनका दावा है कि लंबे समय से जारी अनुचित व्यापारिक प्रथाओं और बढ़ते व्यापार घाटे के कारण अमेरिका को सख्त टैरिफ नीति अपनानी पड़ रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश-विशेष पर लगाए गए रेंसिप्रोकल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन अब संवैधान 301 के तहत देशवार जांच कर नए टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में जांच रिपोर्ट आने के बाद भारत समेत कई देशों के निर्यात पर असर पड़ सकता है।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका! मार्को रूबियो बोले- हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनेरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुनिश्चित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। मार्को रूबियो ने कहा, 'दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं।' उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न

क्षमता बढ़ाने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों को इस्तेमाल योग्य प्रक्रिया में बदलने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यह आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। रूबियो ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक अब दुनियाभर की सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला को कमजोरियों की पहचान कर रहे हैं और देशों को निवेश तथा विकास के वैकल्पिक स्रोतों से जोड़ने का काम कर रहे हैं। चीन को बताया विकासशील देशों के लिए बड़ी चुनौती : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास की तलाश करने वाले कई देशों के पास अक्सर चीन समर्थित परियोजनाओं के अलावा

बहुत कम विकल्प होते हैं। रूबियो ने कहा, 'वहां केवल चीनी कंपनियों ही पहुंचती हैं।' उन्होंने इसे कई विकासशील देशों के सामने मौजूद एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इसी कारण अमेरिका खनिज, प्रसंस्करण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी और सहयोगी देशों के विकल्पों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास के तहत वित्तीय साधनों और समान सोच वाले देशों के साथ साझेदारी का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि विश्व रूप से रणनीतिक परियोजनाओं को समर्थन दिया जा सके।

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका: संसद में नया बिल पेश, एक साल में सामने आएगी रिपोर्ट



वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम 'टिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्ट' है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें चीन की तिब्बत में की गई गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था। इस बिल में क्या है: अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमाना हत्याएं, गंभीर शारीरिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उड़गर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। अत्याचारों को नजरअंदाज नहीं करना है : क्रिस स्मिथ ने कहा कि चीन लंबे समय से तिब्बत में गंभीर अत्याचार करता आ रहा है। इसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, इन अपराधों को साफ तौर पर सामने लाना जरूरी है। क्योंकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। टॉम सुओजी ने कहा कि चीन की कार्रवाई सिर्फ तिब्बत ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उड़गर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।



में एक भी बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) या स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ नहीं है। इन क्षेत्रों में औसतन हर 10,000 लोगों पर केवल 4 प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जो राज्य के औसत से आधे से भी कम है। इन क्षेत्रों में अस्पताल अक्सर जे-1 वीजा वेबर कार्यक्रम पर निर्भर रहते हैं। यह कार्यक्रम विदेशी डॉक्टरों को अमेरिका में रहने की अनुमति देता है, यदि वे डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों में काम करने के लिए सहमत हों। गिलिब्रैंड ने कहा कि वेबर आवेदन की प्रक्रिया में कई महीने की देरी के कारण डॉक्टर नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं और अस्पतालों को अगले वर्ष की स्टाफिंग योजना बनाने में कठिनाई हो रही है। मरीजों के इलाज पर पड़ रहा सीधा असर उन्होंने लिखा, 'मेरे कार्यालय को न्यूयॉर्क के कई अस्पतालों और डॉक्टरों से शिकायतें मिली हैं कि उन्हें नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बावजूद महीने से कोई स्थिर जवाब नहीं मिला है।' उन्होंने कहा कि ये प्रशासनिक देरी सिर्फ असुविधा नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिरता और मरीजों के इलाज पर सीधा असर पड़ सकता है। गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी कि स्थिति इसलिए और गंभीर हो गई है क्योंकि रेजिडेंसी पूरी कर रहे कई डॉक्टरों के लिए 30 जुलाई एक महत्वपूर्ण समसमीक्षा है। यदि तब तक उनके वेबर आवेदन मंजूर नहीं होते, तो उन्हें अपने देश वापस लौटना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर समय पर अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा, विदेश विभाग और प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो इन डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है और इसका खामियाखान न्यूयॉर्क के लोगों को भुगतना पड़ेगा। गिलिब्रैंड ने बताया कि अप्रैल में अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा ने उनके कार्यालय को जानकारी दी थी कि ऑफिस ऑफ ग्लोबल हेल्थ सेक्टर में बड़ी संख्या में अमेरिकी डॉक्टरों पर काम कर रहा है और प्रक्रिया में सुधार भी कर रहा है। हालांकि, विभाग ने यह नहीं बताया कि लंबित मामलों का निपटारा कब तक होगा। उन्होंने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा से 15 जून तक यह जानकारी देने को कहा है कि कितने आवेदन लंबित हैं, उन्हें निपटने में कितना समय लग रहा है और क्या जरूरत वाले क्षेत्रों में काम करने वाले डॉक्टरों के मामलों की प्रक्रिया तेज की जा सकती है।

दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम 'टिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्ट' है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें चीन की तिब्बत में की गई गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था। इस बिल में क्या है: अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमाना हत्याएं, गंभीर शारीरिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उड़गर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुरु से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टरों की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय ?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी

पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।



इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन



अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकारी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, व्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए ?

एसिडिटी: खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना: हृदयक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार: अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव योगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है। यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्युनिटी: अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द दूर: अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार: अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन ?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।



तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूँ और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाड्डेन्स से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी

के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8- 10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से 3 तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुँह के छालों, कालापन, कील मुँहासों, फोड़े सभी में तुलसी

लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएं- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती है। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटेशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाएं

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हृदियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।



गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपको गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने

के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाएं इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्युनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वकत वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।



खराब मौसम के कारण राहुल गांधी का दौरा रद्द, बोले जल्दी आऊंगा



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : खराब मौसम के कारण लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का पौड़ी दौरा भी रद्द हो गया है। राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि मैं आपसे वादा करता हूँ कि बहुत जल्द फिर उत्तराखंड आऊंगा। तब हम जयन्त प्रभावित भवनों के मालिकों को मुआवजा दिए जाने के बाद भी कुछ भवनों में बिजली और पानी की आपूर्ति जारी है। ऐसे भवनों की बिजली एवं पेयजल कनेक्शन काटने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है। वहीं प्रभावितों को सकारात्मकता से मिलने 20 से अधिक राजीव आवास भवन भी भू-धंसाव की चपेट में हैं और यहां दरारें आ चुकी हैं। मगर इन भवनों के संबंध में अभी तक मुआवजे का भुगतान नहीं हो पाया है। इस पर प्रशासन ने कहा कि मुआवजे से संबंधित प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेज दिए गए हैं। जैसे ही शासन स्तर से निर्देश मिलेंगे आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

एक नजर

मुआवजा मिल चुके भवनों के कटे गये बिजली—पानी के कनेक्शन

चमोली। वर्ष 2023 में हुए भू-धंसाव के बाद प्रशासन ने जर्जर और क्षतिग्रस्त भवनों को तोड़ने की कार्यवाही तेज कर दी है। जिन भवनों का मुआवजा पूर्व में दिया जा चुका है वहां के बिजली और पेयजल कनेक्शन बंद करने के लिए उपजिला मजिस्ट्रेट ने संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए हैं। भू-धंसाव की जड़ में आए 225 भवनों के स्वामियों को प्रशासन की ओर से अब तक मुआवजा दिया जा चुका है। इसके बाद क्षतिग्रस्त और असुरक्षित भवनों को चिह्नित कर 55 भवनों को ध्वस्त किया जा रहा है। उपजिला मजिस्ट्रेट चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि भू-धंसाव प्रभावित भवनों के मालिकों को मुआवजा दिए जाने के बाद भी कुछ भवनों में बिजली और पानी की आपूर्ति जारी है। ऐसे भवनों की बिजली एवं पेयजल कनेक्शन काटने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है। वहीं प्रभावितों को सकारात्मकता से मिलने 20 से अधिक राजीव आवास भवन भी भू-धंसाव की चपेट में हैं और यहां दरारें आ चुकी हैं। मगर इन भवनों के संबंध में अभी तक मुआवजे का भुगतान नहीं हो पाया है। इस पर प्रशासन ने कहा कि मुआवजे से संबंधित प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेज दिए गए हैं। जैसे ही शासन स्तर से निर्देश मिलेंगे आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

हल्द्वानी की गार्गी का गंगा जैसा महत्व : गजराज

हल्द्वानी। रानीबाग में गार्गी नदी के तट पर नगर-निगम की ओर से शुक्रवार को भव्य आरती और जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से नदी संरक्षण, जल संवर्धन व पर्यावरण सुरक्षा का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। मेयर गजराज सिंह विट ने गुरुवार को प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। बरेली रोड स्थित निजी होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में मेयर ने बताया कि 5 जून 2025 को पहली बार गार्गी के तट पर आरती का आयोजन किया। नियमित आरती के आयोजन को एक वर्ष होने पर शुक्रवार को भव्य आरती और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मेयर ने कहा कि हल्द्वानी की गार्गी का गंगा जैसा महत्व है। इसका उल्लेख पुराणों में भी मिलता है। बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को नदियों की स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। पर्यावरण संरक्षण केवल सकारात्मक ज़िम्मेदारी नहीं, बल्कि प्राकृतिक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर नागरिक मां गार्गी नदी की स्वच्छता व संरक्षण का संकल्प भी लेंगे। समापन सामूहिक प्रार्थना व पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ होगा। मेयर ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर पर्यावरण संरक्षण के इस जन-अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

मानसून में 41 संवेदनशील स्थल चयनित किए

चम्पावत। मानसून में आपदा के नजरिए से 41 संवेदनशील स्थल चयनित किए गए हैं। राष्ट्रीय राज्यांग में 12 और पीएमजीएसवाई में 29 स्थान खतरे वाले हैं। इन संवेदनशील स्थानों पर 67 जैसीबी और पोकेलैंड मशीनों की तैनाती की जाएगी। मानसून से निपटने को आपदा प्रबंधन विभाग ने कार्य योजना तैयार की है। मानसून सीजन के दौरान आपदा से निपटने की कवायद पूरी कर ली गई है। मानसून सीजन को लेकर जिले में 41 संवेदनशील स्थान चिह्नित किए गए हैं। ये स्थान राष्ट्रीय राज्यांग और पीएमजीएसवाई की सड़कों में चिह्नित किए गए हैं। इन सभी स्थानों में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के लिए 67 मशीनों का अधिग्रहण किया गया है। इनमें 58 जैसीबी और नौ पोकेलैंड मशीन शामिल हैं। सड़क बंद होने पर तत्काल मशीनों से काट कर दिया जाएगा। मैदानी क्षेत्र में जल भराव से निपटने के लिए पंप का उपयोग किया जाएगा। जिला और तहसील स्तर पर आपदा नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है। आपदाकालीन परिस्थिति में एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

फतेहपुर में बिजलीघर बनना शुरू, सप्लाई होगे क्षेत्र

हल्द्वानी। कालाढ़ांगी रोड के ग्रामीण क्षेत्र के लिए अच्छी खबर है। उर्जा निगम ने फतेहपुर में नए बिजलीघर का निर्माण शुरू कर दिया है। इससे सप्लाई शुरू होने पर ग्रामीणों को लो वोल्टेज और कटौती से राहत मिलने की उम्मीद है। हल्द्वानी के ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी बढ़ने पर बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में भी लगातार इजाजा हो रहा है। कालाढ़ांगी रोड में बिजली कनेक्शन बढ़ने पर कमतुवागंजा और कठरिया बिजलीघर पर लगातार लोड बना रहता है। ऐसे में लो वोल्टेज और बिजली कटौती की समस्या बनी रहती है। इसके समाधान के लिए उर्जा निगम ने कवायद शुरू कर दी है। फतेहपुर की जयपुर पाइली ग्राम पंचायत में नए बिजलीघर का निर्माण शुरू कर दिया है। इसके बनने पर फतेहपुर, लामाचौड़ के साथ ही बसानी क्षेत्र के गांवों को आपूर्ति शुरू की जाएगी। उर्जा निगम के अधिशासी अभियंता एसके गुप्ता ने बताया कि जल्द ही बिजलीघर का निर्माण पूरा कर सप्लाई शुरू की जाएगी। इससे अन्य बिजलीघरों का लोड भी कम होगा।

मंडी बाईपास के वैंडिंग जोन में 150 वैंडरों को मिलेगी जगह

हल्द्वानी। नगर निगम मंडी बाईपास पर 150 पंजीकृत वैंडरों को कारोबार करने के लिए जगह देगा। वैंडिंग जोन बनाकर जगह आवंटित करना शुरू कर दिया गया है। नगर निगम ने 1826 वैंडरों का पंजीकरण कर 1618 को कार्ड जारी किए हैं। निगम क्षेत्र में वैंडिंग जोन नहीं होने से वे लोग सड़क और बाजार में ठेले और फुड लगाकर कारोबार करते हैं। इससे जान लगने पर लोगों को आवाजाही में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसके समाधान के लिए नगर निगम ने वैंडिंग जोन बनाने शुरू कर दिए हैं।

राहुल गांधी ने अंकिता के परिजनों को दिल्ली आने का दिया न्योता

पौड़ी : दिवंगत अंकिता भंडारी की माता सोनी देवी व पिता सुरेंद्र भंडारी ने वीथीवो कोल पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से बात की। राहुल गांधी ने उन्हें किसी भी समय दिल्ली उनके आवास पर आने का न्योता दिया। कहा कि वे हर समय उनकी मदद के लिए तैयार हैं। राहुल गांधी ने फॉन पर भंडारी देवती से करीब ढाई मिनट बात की। हालांकि नेटवर्क की दिक्कतों के चलते पूरी बात नहीं हो पाई।

चर्चा करेंगे गुरुवार को लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की पौड़ी में पूर्व सैनिकों के साथ महत्वपूर्ण बैठक निर्धारित थी। साथ ही कोटद्वार में दीपक के ज्विम में जाने का भी कार्यक्रम था, लेकिन खराब मौसम के कारण राहुल गांधी का दौरा रद्द हो गया। राहुल गांधी ने अपने संदेश में कहा कि मैं आपसे वादा करता हूँ कि बहुत जल्द फिर उत्तराखंड आऊंगा। तब हम जयन्त प्रभावित भवनों के मालिकों को मुआवजा दिए जाने के बाद भी कुछ भवनों में बिजली और पानी की आपूर्ति जारी है। ऐसे भवनों की बिजली एवं पेयजल कनेक्शन काटने के लिए संबंधित विभागों को निर्देश दिया गया है। वहीं प्रभावितों को सकारात्मकता से मिलने 20 से अधिक राजीव आवास भवन भी भू-धंसाव की चपेट में हैं और यहां दरारें आ चुकी हैं। मगर इन भवनों के संबंध में अभी तक मुआवजे का भुगतान नहीं हो पाया है। इस पर प्रशासन ने कहा कि मुआवजे से संबंधित प्रस्ताव उच्च अधिकारियों को भेज दिए गए हैं। जैसे ही शासन स्तर से निर्देश मिलेंगे आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

के लिए जाना था, लेकिन मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए पायलट ने उड़ान भरने से साफ इनकार कर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि मुझे आपसे बहुत सी बातें करनी थीं, उत्तराखंड की वर्तमान स्थिति पर, प्रदेश के आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर, राज्य और आपके भविष्य पर और उन चुनौतियों पर जिनका सामना आज उत्तराखंड कर रहा है। पौड़ी गढ़वाल में पूर्व सैनिकों के साथ भी एक महत्वपूर्ण मुलाकात और बैठक निर्धारित थी। साथ ही कोटद्वार में दीपक के ज्विम जाने का भी कार्यक्रम था। प्रकृति के आगे हम सभी विनम्र हैं और सहयोगियों की सहायता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

लाइन पर गिरा पेड़, 20 घंटे गुल रही बिजली

चमोली। आंधी-तूफान के कारण बिजली लाइन पर पेड़ गिरने से पोखरी ब्लॉक के गांवों में करीब 20 घंटे तक बिजली गुल रही। इससे लोगों को बिना बिजली के रात गुजारनी पड़ी। बृहस्पतिवार को उर्जा निगम के कर्मचारियों ने लाइन की मरम्मत कर आपूर्ति सुचारू की। बुधवार को शाम करीब चार बजे क्षेत्र में आंधी-तूफान के कारण सुगी-करखुना के पास बिजली की लाइन पर एक पेड़ जा गिरा। इससे अधिकांश गांवों की बिजली गुल हो गई। लोग देर रात तक बिजली आने का इंतजार कर रहे थे मगर सप्लाई सुचारू नहीं हुई। बिजली गुल होने से लोगों के मोबाइल चार्ज न होने से बंद हो गए। बृहस्पतिवार को उर्जा निगम के कर्मचारियों ने बिजली को लाइन से पेड़ हटवाया और सुबह 10 बजे बिजली सुचारू करवाई गई।

पौड़ी रैली की सफलता उत्तराखंड में कांग्रेस की लहर के संकेत : धीरेन्द्र प्रताप



जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेन्द्र प्रताप ने पौड़ी में कांग्रेस रैली में आई भारी भीड़ को उत्तराखंड में कांग्रेस की लहर का संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि लोग अंकिता भंडारी, अर्पित वीर योजना, पलायन, महंगाई, बेरोजगारी जैसे तमाम सवालों से त्रस्त हैं और अब जनता बीजेपी से मुक्ति चाहती है। उन्होंने मुख्यमंत्री धामी को असफल नेता बताया है कि वह जमीन

पर काम करते कहीं दिखाई नहीं देते। धीरेन्द्र प्रताप गुरुवार को रैली में शामिल होने पौड़ी आए हुए थे। उन्होंने कहा कि आज जनता जिस तरह से आई उससे स्पष्ट है जनता उत्तराखंड में भाजपा से मुक्ति चाहती है। कहा कि मौसम खराब होने की वजह से यद्यपि राहुल गांधी नहीं आ पाए, लेकिन जब उनका वीडियो संदेश प्रसारित हुआ उस वक्त भी जनता में से एक भी व्यक्ति टस से मस नहीं हुआ और सभी लोग राहुल गांधी के संबोधन को बहुत गंभीरता से सुन रहे थे। धीरेन्द्र प्रताप ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता गांव-गांव जा रहे हैं और अगले 6 महीने में यह लहर भाजपा का सुपड़ा साफ कर देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल और पार्टी के अन्य पदा नेताओं ने रात दिन मेहनत की है और हजारों कार्यकर्ता आज कांग्रेस के पार्टी नेतृत्व के साथ जुट गए हैं। उन्होंने कांग्रेस प्रभारी शैलजा, सह प्रभारी सुरेंद्र शर्मा और मनोज यादव की भी तारीफ की और कहा कि उनकी मेहनत आज जनता में दिखाई देने लगी है।

वैश्विक बाजारों से जुड़ने के बताएं तरीके

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिला उद्योग केंद्र की ओर से आयोजित नियात प्रोत्साहन कार्यशाला में स्थानीय उद्यमियों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने व जनपद में नियात गतिविधियों को बढ़ावा देने के तरीके सिखाए गए।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के उप महानिदेशक हेमंत कुमार व केंद्र के महाप्रबंधक सोमनाथ गर्ग ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में भारत सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भी वचुंअल माध्यम से प्रतिभाग कर उद्यमियों का मार्गदर्शन किया। भारतीय नियात संगठन महासंघ (फियो) की उप निदेशक मनीषा झा ने नियातकों को उपलब्ध सेवाओं व संगठन की भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं, एमएसएमई मंत्रालय, हल्द्वानी के सहायक निदेशक अमित मोहन ने सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यमों के लिए संचालित सकारात्मक योजनाओं व प्रोत्साहनों की जानकारी साझा की। एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधि अमोल शर्मा ने नियात इकाइयों के लिए वित्तीय सहायता, ऋण



सुविधाओं और बैंकिंग सेवाओं पर विस्तार से चर्चा की। सिडकल निरमा संघ के सचिव विवेक चौहान ने स्थानीय उद्यमों की नियात संभावनाओं को रेखांकित करते हुए कहा कि जनपद में निर्मित उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में

अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। उन्होंने उद्यमियों को वैश्विक बाजारों तक पहुंच बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में प्रबंधक उपासना सिंह, आरपी आर्य सहित अनेक उद्यमी और अधिकारी उपस्थित रहे।

ईमानदारी की मिसाल : बुजुर्ग ने सड़क पर मिला पर्स मालिक को लौटाया



जयन्त प्रतिनिधि। थलीसैंण : ईमानदारी की एक ऐसी मिसाल देखने को मिली, जिसने हर किसी का दिल जीत लिया। आज के दौर में जहां खाई हुई वस्तु के वापस मिलने की उम्मीद बेहद कम रह गई है, वहीं एक वृद्ध ने ईमानदारी की मिसाल कायम कर समाज को एक सकारात्मक संदेश दिया है। थलीसैंण ब्लॉक के अन्तर्गत कन्नूर बैंड पर एक वृद्ध को रूपयों से भरा पर्स पड़ा

मिला। वह पर्स लेकर थाने पहुंच गए। पर्स के असील मालिक की पुष्टि होने से वृद्ध ने पुलिस की मौजूदगी में पर्स लौटा दिया।

आज के दौर में जहां चंद पैसों के लिए कुछ लोगों का ईमान डोल जाता है, वहीं हयात सिंह पुत्र स्वर्गीय इंद्र सिंह उम्र 74 वर्ष निवासी ग्राम कन्नूर ने ईमानदारी की मिसाल पेश की है। पुलिस के अनुसार रात तीन जून को महेंद्र कुमार पौड़ी गढ़वाल से अपने बच्चों के साथ थलीसैंण घूमने आये हैं। इसी दौरान कन्नूर बैंड पर उनका पर्स कहीं छूट गया था, जो कि वृद्ध हयात सिंह को मिला। काफी खोजबीन के बाद पर्स स्वामी का पता लगा। थाना थलीसैंण में पुलिस की मौजूदगी में पर्स स्वामी को दिया गया। जिसमें सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी कुंडल और 10 हजार रूपये तथा एटीएम कार्ड मौजूद थे। पर्स स्वामी ने हयात सिंह का आभार जताया। वहीं क्षेत्र के लोग बुजुर्ग की ईमानदारी की प्रशंसा कर रहे हैं।

बीडीसी की मॉनिटरिंग के लिए विकसित होगा समर्पित पोर्टल

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : विकासखंड चमोली के ब्लॉक सभागार दशोली में ब्लॉक प्रमुख विनीता देवी एवं जिलाधिकारी गौव कुमार की अध्यक्षता में क्षेत्र पंचायत विकास समिति (बीडीसी) की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित जनसमस्याओं, विकास कार्यों एवं पूर्व में आयोजित बीडीसी बैठक के प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा करते हुए विभागवार समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान पूर्व बीडीसी बैठकों में पारित प्रस्तावों एवं प्राप्त शिकायतों पर अनुपालन आख्या रिपोर्ट संकलन न करने पर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी दशोली एवं एडीओ पंचायत के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए वर्तमान बीडीसी बैठक के सभी प्रस्तावों एवं शिकायतों को एक सप्ताह के भीतर संकलित कर संबंधित विभागों को प्रेषित करने के साथ ही विभागों को निर्धारित समय सीमा के भीतर उनका अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई समस्याओं का प्रार्थमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों



को निर्देशित किया कि जनप्रतिनिधियों एवं शिकायतों को अपनी कार्ययोजना में शामिल करते हुए फील्ड स्तर पर आवश्यक कार्यवाही कर उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन की तर्ज पर जनपद में बीडीसी बैठकों के प्रस्तावों एवं शिकायतों की सतत मॉनिटरिंग के लिए एक समर्पित पोर्टल विकसित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा

कि इससे विभागों की जवाबदेही तय होगी तथा शिकायतों के निराकरण की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी। बैठक में ब्लॉक प्रमुख विनीता देवी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी राजकुमार पांडे, परियोजना निदेशक आनंद सिंह भाकुनी सहित जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बी.एड. विभाग द्वारा खाद्य उत्सव का आयोजन किया



कोटद्वार। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार के बी.एड. विभाग द्वारा खाद्य उत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की विविध सांस्कृतिक एवं खान-पान परंपराओं से परिचित कराना तथा उनमें सहयोग, रचनात्मकता एवं नेतृत्व कौशल का विकास करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी. एस. नेगी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश चौहान एवं अन्य प्राध्यापकों ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए भारतीय संस्कृति की विविधता तथा विभिन्न राज्यों की पारंपरिक खाद्य परंपराओं को महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर बी.एड. विभाग अध्यक्ष महोदय ने प्रशिक्षुओं को प्रशंसा करते हुए तथा कहा कि फेड एवं फेयर जैसे कार्यक्रम केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि सीखने और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का भी एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर बी.एड. विभाग के विद्यार्थियों ने 6-6 सदस्यों के समूह बनाकर भारत के विभिन्न राज्यों का प्रतिनिधित्व किया। प्रत्येक समूह ने अपने निर्धारित राज्य की प्राथमिक वेशभूषा, सजावट तथा प्रसिद्ध व्यंजनों को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों द्वारा दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीय, गढ़वाली, पंजाबी तथा गुजराती संस्कृति एवं खान-पान का सुंदर प्रदर्शन किया गया। फेड एवं

सिंह तथा डॉ. डी. के. मौर्य उपस्थित रहे। सभी प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके द्वारा प्रस्तुत विभिन्न राज्यों की संस्कृति एवं व्यंजनों की सराहना की। इस अवसर पर बी.एड. विभाग के सभी प्रशिक्षु (इ.ए.ए. लखीमन) भी उपस्थित रहे तथा उन्होंने कार्यक्रम के सफल संचालन में सख्ती सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा उनके रचनात्मक प्रयासों की प्रशंसा की। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह, अनुराधन और सहयोग की भावना के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। फेड एवं फेयर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सभी समूहों ने अपने-अपने राज्यों एवं क्षेत्रों की संस्कृति तथा पारंपरिक व्यंजनों का आकर्षक प्रदर्शन किया। निर्णायकों द्वारा प्रस्तुति, सजावट, पारंपरिक परिधान, व्यंजनों की गुणवत्ता एवं समूह की सहभागिता के आधार पर मूल्यांकन किया गया। गुजराती समूह को श्रेष्ठ खाद्य प्रस्तुति के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों, अध्यापकों एवं विद्यार्थियों को उनके सहयोग एवं उत्साहपूर्ण सहभागिता के लिए धन्यवाद दिया गया। यह फेड एवं फेयर विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, मनोजक तथा सांस्कृतिक विविधता को समझने का एक उत्कृष्ट अवसर सिद्ध हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मकता तथा विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

गणित भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न हिस्सा : कुलपति

नई दिल्ली। बीजीआर परिसर में गणित विभाग और साइंस कार्टिसिल ऑफ इंडिया की ओर से बृहस्पतिवार को रिसेंट एडवांसेज इन मैथमेटिक्स एंड मैथमेटिकल साइंस विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो. प्रकाश सिंह ने कहा कि गणित भारतीय ज्ञान प्रणाली का अभिन्न हिस्सा है। केंद्रीय संस्कृत विवि देवप्रयाग परिसर के निदेशक प्रो. पीबी सुब्रमण्यम ने कहा कि वेदों, पुराणों और उपनिषदों में गणितीय चिंतन की स्पष्ट झलक मिलती है। परिसर निदेशक प्रो. उमेश चंद्र गैरोला ने गणित को समकालीन वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण से समझने की आवश्यकता पर बल दिया। साइंस कार्टिसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रो. अवनीश कुमार और सचिव प्रतिनिधि प्रो. एसएस चौहान ने परिषद की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी। सम्मेलन में गणित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रो. मधु जैन, प्रो. संजीव कुमार, प्रो. हेमंत कुमार, प्रो. गजेन्द्र प्रताप सिंह, प्रो. सत्यदेव, प्रो. अमित कुमार वर्मा, प्रो. धर्म ट्रिपाठी और प्रो. अनुराधा गुप्ता को सम्मानित किए जाने घोषणा की गई। सम्मेलन की स्मारिका (सॉवेनियर) एवं ज्ञानभू जर्नल का विमोचन किया गया। साथ ही समाजशास्त्र विभाग की डॉ. विनय बाला व डॉ. लहामु की पुस्तकों जेंडर पर्सपेक्टिव : इश्यूज, चैलेंजेज एंड प्रॉस्पेक्ट्स व जेंडर इक्विटी एंड इक्विटी : पाथवेज टू एंपावरमेंट का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम में प्रो. आरसी मौर्या, डॉ. नवीन चंद्र, पूर्व निदेशक प्रो. प्रभाकर बडोनी, प्रो. एससी गैरोला, डॉ. गौतम, डॉ. विन्म नेगी आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आवास परिसर में 3-बी गार्डन के निर्माण कार्य का शुभारम्भ



जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मुख्यमंत्री आवास परिसर स्थित राजकीय उद्यान, सिकेट हाउस देहरादून में विकसित किए जा रहे 3-बी गार्डन (बी-फ्रेडंज़ली, बटरफ्लाई-फ्रेडंज़ली एवं बर्ड-फ्रेडंज़ली गार्डन) के निर्माण कार्य का शुभारम्भ कुष्णा वट के पौधे का रोपण कर किया गया। मुख्यमंत्री ने परिसर में संचालित पर्यावरणीय एवं जैव विविधता संवर्धन संबंधी कार्यों की सराहना करते हुए उद्यान

विभाग को मधुमक्खी पालन गतिविधियों को मुख्यमंत्री आवास परिसर एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर विकसित करने हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

इस उद्यान का विकास मधुमक्खियों, तितलियों एवं पक्षियों के संरक्षण एवं संवर्धन को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। इसके अंतर्गत परागण एवं जैव विविधता बढ़ावा देने वाले विभिन्न प्रकार के पौधों का व्यापक स्तर पर रोपण किया जा रहा है। उद्यान के आसपास कीटनाशकों एवं अन्य हानिकारक रसायनों के उपयोग को प्रतिबंधित रखा जाएगा, जिससे प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखा जा सके। इस विशेष उद्यान के निर्माण से मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन में भी महत्वपूर्ण योगदान प्राप्त होगा।

कर्मियों की आंखों में मिर्च डाल नशा मुक्ति केंद्र से 8 युवक भागे, पकड़े गए

हल्द्वानी। काठगोदाम के एक नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती आठ युवकों ने सोमवार देर शाम कर्मचारियों की आंखों में मिर्च डाली और फरार हो गए। वहीं पुलिस ने शिकायत मिलने पर गुमशुदगी दर्ज करते हुए कुछ ही घंटों में सभी को अलग-अलग स्थानों से बरामद कर लिया। जानकारी के मुताबिक काठगोदाम कोतवाली क्षेत्र स्थित निजी नशा मुक्ति केंद्र में दस युवक भर्ती हैं। इन्हें यहां एक महीने से लेकर आठ महीने तक हो चुके हैं। सीओ अमित सैनी ने बताया कि सोमवार शाम स्टाफ के मुख्य लॉग किसी बैठक में शामिल होने गए थे। तभी

भर्ती युवकों ने भागने की योजना बनाई। केंद्र में तैनात दो सुरक्षाकर्मियों को चकमा देने के लिए युवकों ने उनकी आंखों में मिर्च और नींबू का घोल बनाकर डाल दिया और वहां से रफूचकर हो गए। घटना के बाद केंद्र में हड़कंप मच गया और तुरंत इसकी सूचना पुलिस व अन्य स्टाफ को दी गई। सूचना मिलते ही काठगोदाम पुलिस ने अलर्ट जारी कर गुमशुदगी चेकिंग अभियान शुरू किया। पुलिस ने तत्पत्ता दिखाते हुए दो युवकों को काठगोदाम क्षेत्र से ही दबोच लिया। दोनों हल्द्वानी के ही रहने वाले हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

फ्रेंच ओपन: अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिनस्का ने
सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिनस्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेका और नंबर 25 सीड डायना शनाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगी। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम सिंगल वाले मुकाबले में, च्वालिनस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिनस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रही।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिनस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था। पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिनस्का अगले सेट में पूरी तरह हवावीं रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

शनाइडर ने सबालेंका को चौकाया,
पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना शनाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौका दिया। शनाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलेंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड शनाइडर ने जबर्दस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय शनाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो व्हाइट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली शनाइडर ने मैच का रुख पलटाना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रही शनाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैटियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद शनाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्सिबल प्रर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निष्पाद्यक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वैकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो
जाएगा और रोमांचक● फीफाने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच
में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट का दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही

नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे। इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक ऐसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बार्सेटबॉल और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

जिस हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बार्सेटबॉल और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रुक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका
श्रेयस कप्तानआयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन
खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम
में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के

भारत की संभावित
टी20 टीम

संजु सेमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हादिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अशदीप सिंह, प्रिस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा। प्रिस यादव को टीम में मिल सकती है जगह-उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

विश्व विजेता कप्तान
का ऐसा अंजाम

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जितवाया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पलटी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट
बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट है जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।



सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कप्तानी संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सबसे सट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रेना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिवरं धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हादिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमरिटिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बेटर विराट कोहली हैमरिटिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच को टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ
भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हादिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, अशदीप सिंह, प्रिस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराइ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड
ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।



भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी-भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एवशन में, तिलक की
कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तुफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एवशन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रैज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रैज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रेटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

